तापमान
अधिकतम 39 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शनिवार, 27 अप्रैल 2024

12 महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में फेयरवेल पार्टी

12 एचएयू को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन पर मिला पेटेंट

खबर संक्षेप

जरूरतमंद छात्रों को स्टेशनरी वितरित

हिसार। रोटरी सेंट्रल क्लब तरफ से वार्ड 13 आदर्श नगर हिसार स्थित राजकीय मॉडर्न संस्कृति प्राइमरी स्कूल में जरूरतमंद 180 विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। क्लब के प्रधान रोटेरियन राकेश महता ने बच्चों को माता-पिता व गुरुजनों का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मा. विजेंद्र जीतपुरा होंगे प्रत्याशी

हिसार। एसयूसीआई कम्यूनिस्ट ने हरियाणा प्रदेश में 6 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। राज्य सचिव मंडल सदस्य व जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने बताया कि हिसार से मास्टर विजेंद्र जीतपुरा पार्टी के उम्मीदवार होंगे। गुड़गांव से सरवण कुमार गुप्ता, भिवानी-महेंद्रगढ़ से रोहताश सैनी, रोहतक से जयकरण मांडौठी, सोनीपत से बलवीर सिंह एवं कुरुक्षेत्र से ओमप्रकाश शास्त्री पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

गांव बाड़्या में रक्तदान शिविर कल

हिसार। जनहित युवा सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से गांव बाड़्या में 28 अप्रैल को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कैम्प में कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी उम्र 18 से 65 वर्ष व वजन 45 किलो से अधिक हो, रक्तदान कर सकता है। सोसायटी पदाधिकारियों ने अपील की कि क्तदान शिविर में अधिक से अधिक रक्तदानी पहुंचकर रक्तदान करें।

अवैध शराब सहित गाड़ी सवार युवक काबू

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने गश्त के दौरान कुम्हारिया से साबरवास रोड पर नाकाबंदी करके टाटा एस गाड़ी को रुकवा गाड़ी चालक को काबू किया। पुलिस ने इस संबंध में साबरवास निवासी सुरेन्द्र को गिरफ्तार करके 10 बोतल अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने उस पर केस दर्ज कर लिया है।

जेसीआई का सामूहिक विवाह समारोह कल

हांसी। जेसीआई हांसी फोर्ट का हर साल की भांति इस साल भी जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 28 अप्रैल को सुबह 10 बजे हांसी पंचायती रामलीला ग्राउंड किया जाएगा। जेसी सर्वेश सैनी ने बताया कि सामुहिक विवाह समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी व कांग्रेस नेता नरेश यादव करेंगे तथा समाजसेवी डॉ. एसएस मान मुख्यातिथि के रूप में शिरकत कर नव विवाहित कन्याओं का कन्यादान करेंगे।

मंदिर से छत्र चुराने के प्रयास में एक गिरफ्तार

हिसार। गांव नंगथला स्थित बाबा पीर मंदिर से छत्र चोरी की कोशिश करने के मामले में गांव के ही सुरेंद्र को गिरफ्तार किया है। मंदिर की देखरेख करने वाले गांव निवासी रमेश वर्मा ने शिकायत दी थी। आरोपी को जेल भेज दिया गया।

हिसार नई अनाज मंडी में बारिश में भीगे गेहूं के बैग

बरसात के बाद हांसी अनाज मंडी में भीगा गेहूं

मंडियों व खरीद केंद्रों पर लाखों क्विंटल गेहूं व सरसों भीगा

हिसार में हल्की बारिश, हांसी में गिरे ओले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एक सप्ताह में दूसरी बार जिले की अनाजमंडियों तथा खरीद केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे रखी गेहूं तथा सरसों की फसल भीग गई। इसके चलते किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। हांसी एरिया में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। बारिश और ओलावृष्टि से लाखों क्विंटल गेहूं तथा सरसों भीग गई। उधर, मौसम वैज्ञानिकों ने पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के चलते शनिवार को भी प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश या फिर बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। बता दें कि गत मंगलवार को भी हिसार तथा आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश के चलते मंडियों तथा खरीद केंद्रों पर गेहूं तथा सरसों भीग गई थी।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को हिसार व आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादलवाई छाई हुई थी। दोपहर बाद पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के चलते मौसम ने करवल ली और शाम को बारिश होने लगी। बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों को गर्मी से कुछ राहत महसूस है। दूसरी तरफ जिले के अनाजमंडियों तथा खरीद केंद्रों पर उठान प्रक्रिया धीमी होने के कारण बारिश में गेहूं तथा सरसों भीग गई। बारिश इतनी तेजी से आई कि किसानों को खुले आसमान ने नीचे रखी सरसों तथा गेहूं को ढकने तक का समय नहीं मिला। इस दौरान नई अनाज मंडी में अनाज से भरे बैग, खुले में पड़ा गेहूं और सरसों की फसल भीग गई।

हिसार। नई अनाज मंडी में बारिश में भीगी सरसों

एक मई तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार हरियाणा राज्य में मौसम आमतौर पर 1 मई तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान एक पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 27 अप्रैल को राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में बादलवाई तथा गरजचमक के साथ उत्तरी व दक्षिण हरियाणा के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है। इसके साथ हीं पश्चिमी हरियाणा के जिलों में हवाओं के साथ कुछ एक स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी होने की उम्मीद है।

इससे दिन के तापमान में हल्की कमी रहने परंतु रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके बाद 28 अप्रैल से 1 मई के दौरान मौसम आमतौर पर खुश्क तथा गर्म रहने की संभावना है जिससे दिन के तापमान में बढ़ोतरी तथा बीच-बीच में हवाएं चलने की संभावना है

खेतों में खड़ी गेहूं व सब्जियों की फसलों में काफी नुकसान

हांसी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते शुक्रवार को मौसम ने एक बार फिर से करवट ली जिसके चलते हांसी क्षेत्र के कई गांवों में बरसात के साथ भारी ओलावृष्टि भी हुई। ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं व सब्जियों की फसलों में काफी नुकसान होने का अंदेशा है। वहीं खेतों में गेहूं व सब्जियों की फसलें खेतों में बिछ गई। शहर में हुई करीब आधा घंटे की बारिश से अनाज मंडी में खुले में रखी लाखों क्विंटल गेहूं और सरसों भीग गई। वहीं बरसात के बाद शहर में हर तरफ पानी ही पानी नजर आया तथा नव निर्माण के लिए उखाड़ी गई सड़कों पर जलभराव के चलते लोगों का वहां पैदल गुजरना भी दूभर हो गया। बरसात के चलते दिन के बढ़ते तापमान में भी गिरावट हुई। हांसी क्षेत्र के कई गांवों में तेज हवा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं व सब्जियों की फसलों को काफी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौसम विभाग ने पहले ही बरसात व ओलावृष्टि की आशंका जाहिर की हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश व ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। वहीं आसमान छाए बादल भी किसानों के लिए चिंता का सबब बने हुए है। ओलावृष्टि से खेतों में पकी हुई गेहूं की फसल को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। वहां अनाज मंडी और खेतों में दोनों जगह ही किसानों की परेशानी बढ़ी हुई है। बारिश व ओलावृष्टि से मंडी परिसर में खुले आसमान के तले रखी गेहूं व बैग भीग गए। करीब लाखों क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। भीग जाने से गेहूं गुणवत्ता पर भी असर पड़ेगा, वहीं मौसम विभाग द्वारा पहले अलर्ट जारी किए जाने के बाद भी मंडी में अव्यवस्था भी जारी है। गेहूं के बचाव के लिए कोई प्रबंध नहीं किए गए थे। हांसी अनाज मंडी में उठान का कार्य बड़ी धीमी गति से चल रहा है। हालांकि बरसात व ओलावृष्टि का कुछ देर ही चला। लेकिन यह मंडी में खुले पड़े गेहूं को भिगोने का काम कर दिया। अब सूखने के बाद ही इनका उठान हो पाएगा। बारिश में गेहूं भीगने से उठाने से लेकर भुगतान प्रक्रिया तक प्रभावित होने की उम्मीद है।

- आधे घंटे की बरसात में शहर में कई स्थानों पर भरा पानी

वहीं गेहूं के पास ही बारिश का काफी पानी जमा हो गया। बता दें कि हांसी अनाज मंडी में गेहूं खरीद के बाद उठान प्रक्रिया धीमी है। हांसी में अब तक 6 लाख 80 हजार क्विंटल गेहूं आई है। जिसमें अब तक 2 लाख 40 हजार क्विंटल की लिफ्टिंग हुई है। जबकि 4 लाख 40 हजार क्विंटल गेहूं अनाज मंडी में पड़ी हुई है। शहर में शुक्रवार शाम को हुई करीब आधा घंटे की बरसात व ओलावृष्टि के बाद शहर के निचले क्षेत्रों में कई स्थानों पर पानी भर गया। वहीं नवनिर्माण के लिए उखाड़ी गई सड़कों पर बरसात के कारण कीचड़ नजर आया तथा कीचड़ व फिसलन के चलते इन क्षेत्रों में लोगों का पैदल भी निकलना दूभर हो गया वहीं फिसलन के चलते कई दुपहिया वाहन स्लीप हो गए। गनीमत रही किसी चालक को गंभीर चोटें नहीं आई।

आपराधिक मामलों में वांछित 5 हजार का इनामी बदमाश दबोचा

हिसार। एसटीएफ द्वारा पकड़ा गया हत्यारोपी कुलदीप।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार एसटीएफ टीम ने पांच हजार के इनामी व हत्यारोपी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ टीम ने खरड़ अलीपुर निवासी आरोपी कुलदीप उर्फ बैंडर को माइयड़ गांव के पास से गिरफ्तार किया।

एसटीएफ के अनुसार पकड़े गए आरोपी पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल उसे पिछले वर्ष दिसम्बर में गांव के विकास उर्फ केसी की हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार गांव खरड़ अलीपुर के शराब ठेकेदार विकास उर्फ केसी व गांव छिछडाना जिला सोनीपत के मौजूदा सरपंच के चर्चित हत्याकांड के अलावा गांव राजली निवासी शराब ठेकेदार पर जानलेवा हमले में कुलदीप मुख्य शार्पशूटर रहा है।

वह हत्या, हत्या के प्रयास व डकेती के मामलों में पांच हजार का इनामी बदमाश है। आरोपी ने एक दिसंबर 2023 को गांव अलीपुर में विकास उर्फ केसी की आरोपी कुलदीप उर्फ बैंडर ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपता रहा। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पांच हजार का इनामी पैरोल जंपर गिरफ्तार

हिसार। सीआईए टीम ने पांच हजार रुपये के इनामी पैरोल जंपर भादरा रोड आदमपुर निवासी सुनील उर्फ बादल को गिरफ्तार किया है। निरीक्षक प्रशांत ने बताया कि आरोपी सुनील उर्फ बादल हत्या के मामले में आदमपुर थाना में धारा 148, 149, 302 व 452 के तहत 15 अक्टूबर 2016 को दर्ज मामले में अदालत से उम्र कैद का सजायाफ्ता था। उसे अदालत ने 10 हफ्ते के पैरोल पर रिहा किया और 26 मई 2023 को आरोपी की पैरोल रद्द कर दी गई। पैरोल रद होने के बाद वह वापस जेल नहीं गया। इस पर उसके खिलाफ आदमपुर थाना में हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेंपरेरी रिलीज) एक्ट के तहत 23 जून 2023 को केस दर्ज किया गया। इस मामले में आरोपी सुनील उर्फ बादल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पांच हजार रुपए का इनामी पैरोल जंपर है। जांच में सामने आया कि आरोपी पैरोल से फरार होने के बाद कई राज्यों में छिपता रहा और अभी वह चोरी छिपे अपने संबंधियों से मिलने आया था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 25 मामले दर्ज हैं। हत्या मामलों में आरोपी उम्रकैद का सजायाफ्ता है। आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश कियाा जाएगा।

किशन भाई वर्सेज स्टेट ऑफ गुजरात मामले में बैठक

मामले में रुचि न लेने वाले अफसर की रिपोर्ट तलब

- आपराधिक मामलों की सूक्ष्मता से निगरानी करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उपायुक्त प्रदीप दहिया ने शुक्रवार को किशन भाई वर्सेस स्टेट ऑफ गुजरात के मामले में गठित कमेटी की अध्यक्षता करते हुए आपराधिक मामलों की सूक्ष्मता से निगरानी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस जांच अधिकारी/न्यायालय में केस की पैरवी करने वाले अधिकारी की लापरवाही से यदि कोई दोषी बचकर निकल जाता है तो ऐसे मामलों में संबंधित के विरुद्ध जल्द से जल्द विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए। इस अवसर पर हिसार पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा व हांसी पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद भी उपस्थित थे।

हिसार। बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते उपायुक्त प्रदीप दहिया।

उपायुक्त ने ऐसे मामलों पर चिंता जताई जिनमें तीन साल बीत जाने के बाद भी दोषियों को सजा नहीं दिलवाई जा सकी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जिला न्यायवादी कार्यालय की और से गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। इसके अलावा अगर कार्रवाई के मामले में कोई अधिकारी रुचि नहीं लेता तो उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने अभी तक निर्णय हो चुके मामलों का विवरण भी तलब किया, जिनमें गवाह मुकरे हैं, कोर्ट के बाहर आपसी समझौता या फिर ट्रायल और अनुसंधान में कोई कमी रही है। उपायुक्त ने जिला न्यायवादी कार्यालय के अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे हर संभव कदम उठाए, जिनसे मामलों की सुनवाई में बिना किसी ठोस कारण के दो माह से अधिक की तिथि न मिले।

उन्होंने कमेटी में पेश होने वाली रिपोर्ट को लिंग व आयु के अनुसार बनाकर लाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर एसीयूटी अर्पित सांगल एवं कनिका गोयल, नगराधीश हन्नी बसंल, जिला न्यायवादी दीपक लेघा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हाथी पृथ्वी का इकलौता ऐसा जानवर है जो कूद नहीं सकता।

डॉल्फिन के पास 100-200 के बीच दांत होते हैं, लेकिन फिर भी वह अपने शिकार को निगल कर खाते हैं।

मेहनत कर आप भी बन सकते हैं पोस्ट अधिकारी

नालेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

कौन होता है पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जरूरी योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

कैसे बने पोस्ट अधिकारी

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में भारी जरूरत

दूसरों का मन पढ़ने की काबिलियत है तो मनोवैज्ञानिक बन चमका सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

मनोवैज्ञानिक का अर्थ होता है कोई ऐसा व्यक्ति जो दूसरों के मन की बात जान सकें, उसे मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इंग्लिश में इसे साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। वर्तमान समय में यह शब्द काफी ज्यादा प्रचलित है क्योंकि बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता रहती है। आमतौर पर विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर साइकोलॉजिस्ट की आवश्यकता रहती हैं और वैसे भी प्रत्येक इंसान यह चाहता है कि वह दूसरों के मन की बात जान सकें, दूसरों के दिमाग में क्या चल रहा है। इस बारे में वह समझ सकें। लेकिन इसे किसी जादू से या तंत्र विद्या से हासिल नहीं किया जाता है, बल्कि मनोविज्ञान पढ़ना होता है। जिसके अंतर्गत आप दूसरों के मन की बात जान सकते हैं। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जो मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग की स्थिति जानकर उनका उपचार किया जाता है।

काफी काम आते मनोवैज्ञानिक

इसीलिए मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक मौजूद हैं। इसके अलावा सरकार भी अपने विरोधी देशों के सरकार के दिमाग में चल रहे क्रियाकलापों के बारे में जानना चाहती हैं, इस जगह पर मनोवैज्ञानिक काफी काम आते हैं। अगर आप भी मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? यानी की मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? तो इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा? किस प्रकार के पढ़ाई करें? कितना समय लगेगा? तथा किस प्रकार से आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे? इस प्रकार की पूरी जानकारी इस आर्टिकल में हम आपको विस्तार से बताएंगे। इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आपको पता चल जाएगा कि मनोवैज्ञानिक कैसे बनें। तो चलिए आपको बताते हैं कि मनोवैज्ञानिक क्या होता है? तथा मनोवैज्ञानिक कैसे बनते हैं?

क्या होता है मनोवैज्ञानिक

साइकलोजिस्ट को हिंदी में मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इसका अर्थ होता है कि मानव मस्तिष्क का अध्ययन करना तथा मानव मस्तिष्क को समझना। आसान भाषा में बताएं तो किसी भी व्यक्ति के दिमाग में क्या चल रहा है? वह व्यक्ति क्या सोच रहा है? तथा आगे क्या कर सकता है? इस बात को समझ कर उसका अर्थ निकालना मनोवैज्ञानिक कहलाता है। विशेष रूप से अगर कोई व्यक्ति गुस्से में है, खुशी में है, या दुख में है? तो मनोवैज्ञानिक उनकी भावनाओं के आधार पर उसके मस्तिष्क का अध्ययन करके यह पता लगाते हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। इस तरह का मस्तिष्क का अध्ययन करने वाले व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक कहते हैं। आमतौर पर आज के समय में तनाव तथा डिप्रेशन से ग्रसित लोगों को मनोवैज्ञानिक की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि वह लोग पूरी तरह से तनाव में जकड़ जाते हैं। जबकि विशेषज्ञों को अपनी परेशानी भी खुलकर नहीं बताते हैं। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक उनके मस्तिष्क का अध्ययन करके व्यक्ति के व्यवहार उसकी सोच भावनाएं इत्यादि के बारे में विस्तार से गहनता से अध्ययन करके उसके दुखों का पता लगाते हैं, जिसके आधार पर उनका उपचार किया जाता है और वे ठीक हो जाते हैं। यही वजह है कि आज के समय में मनोवैज्ञानिक की काफी ज्यादा डिमांड बढ़ गई है।

साइकोलॉजिस्ट के कार्य

साइकोलॉजिस्ट का मुख्य कार्य रिसर्च का अध्ययन करना होता है। साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से मानसिक रूप से बीमार तथा मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं। ताकि उन्हें उचित उपचार दिलाया जा सकें और उनके मस्तिष्क को ठीक किया जा सकें। इसीलिए इंसानी दिमाग को पढ़ने के लिए इस तरह के साइकोलॉजिस्ट होते हैं। साइकोलॉजिस्ट किसी भी इंसान के दिमाग को पढ़ने का काम करते हैं, जिससे उन्हें पता चल जाता है कि वह किस प्रकार से सोचते हैं? किस प्रकार से योजना बनाते हैं। साइकोलॉजिस्ट विज्ञान की एक शाखा है। इसीलिए इसका मुख्य रूप से उपयोग मेडिकल तथा रिसर्च एवं प्रयोग से संबंधित होता है। मनुष्य का व्यक्ति किस प्रकार से कार्य करता है? मस्तिष्क में कौन-कौन से विचार आते हैं? इत्यादि के बारे में गहनता से साइकोलॉजिस्ट द्वारा अध्ययन किया जाता है। आमतौर पर आज के समय में ज्यादातर लोग डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, तनाव के शिकार हो जाते हैं, मन में अनचाहे विचार आते हैं, विभिन्न प्रकार की सोच होती है, भावनाएं काबू में नहीं रहती है, तरह-तरह की फीलिंग आती है, विभिन्न प्रकार का प्रसार बना रहता है, इससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इन सभी कार्यों का अध्ययन मनोवैज्ञानिक अर्थात साइकोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता है।

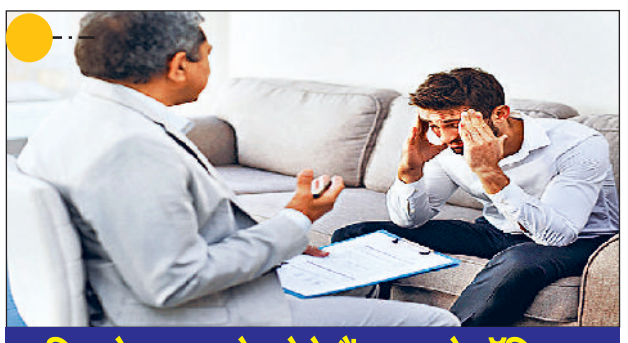

कितने प्रकार के होते हैं साइकोलॉजिस्ट

व्यक्तिगत साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्तिगत सोच के तरीकों को अध्ययन के रूप में जाना जाता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति की सोच बदलाव तथा उसके परिवर्तन में क्या कारण आए हैं। इस बारे में गहनता से अध्ययन किया जाता है।

सामाजिक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत एक समाज या समूह के मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसके दौरान यह पता लगाया जाता है कि वह समाज या संगठन अथवा समूह किस प्रकार का व्यवहार रखता है, किस प्रकार से सोचता है, उनका क्या विकास है तथा क्या उनकी भावनाएं है। इत्यादि सामाजिक साइकोलॉजिस्ट के अनुसार अध्ययन किया जाता है।

जैविक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अनुसार शरीर में बदलाव के रूप में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है यानी कि शरीर में जिस प्रकार से जैविक प्रक्रिया के अनुसार बदलाव होते हैं? उस समय मनुष्य का मस्तिष्क किस तरह से प्रभावित होता है। इस बारे में अध्ययन किया जाता है।

नैदानिक साइकोलॉजिस्ट : यहां शाखा विशेष रूप से मानसिक रोगियों के लिए उपलब्ध की गई है। विशेष रूप से जो व्यक्ति दिमाग की बीमारियों से ग्रसित है या मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग को पढ़कर उपयुक्त इलाज के लिए उनके मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसीलिए इसे नैदानिक साइकोलॉजिस्ट कहते हैं।

सज्ञानात्मक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्ति के सोचने के तरीके निर्णय लेने के तरीके समस्या और परेशानियों से समझने के तरीके तथा बात करने के तरीकों के बारे में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इस साइकोलॉजिस्ट शाखा को संज्ञानात्मक शाखा कहते हैं। विशेष रुप से इस शाखा के साइकोलॉजिस्ट को बड़े-बड़े देश की सरकारें विरोधी देशों के लिए इस्तेमाल करती है।

ऐसे बनें मनोवैज्ञानिक

- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए अभ्यर्थी को सबसे पहले बैचलर ऑफ साइकोलॉजी का कोर्स करना होगा। यह कोर्स 3 वर्ष का होता है। इसके अंतर्गत 2 वर्ष का मास्टर ऑफ साइकोलॉजी कोर्स करना होता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए विशेष रूप से आपको इस विषय में रुचि होने चाहिए, तभी आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे।
- साइकोलॉजी के क्षेत्र में मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए गहनता से सुनने की क्षमता होनी चाहिए।
- दूसरों के मस्तिष्क को बारीकी से जानने और उस पर अध्ययन करने की प्रबल इच्छा होनी चाहिएं।
- अभ्यर्थी की अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए धैर्यवान, आत्मविश्वास तथा सुनने एवं समझने की योग्यता रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया कार्यस्थल को बना रहा विषैला, युवा सावधानी से करें उपयोग

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

सोशल मीडिया का उपयोग समाज में एक व्यापक बदलाव लाया है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह व्यक्तिगत और व्यापारिक जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है? वास्तव में, सोशल मीडिया ने कार्यस्थल को विषैला बना दिया है। यहां हम उस तरह के प्रभावों पर विचार करेंगे जिनसे सोशल मीडिया कार्यस्थल में वातावरण को नकारात्मक बनाता है। आज के युवा लोगों के लिए सोशल मीडिया एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह उन्हें दोस्तों के साथ जुड़े रहने, नए ज्ञान की प्राप्ति करने और अपने विचारों को साझा करने का माध्यम प्रदान करता है। हालांकि, सोशल मीडिया के उपयोग के साथ ही साइबर बुलिंग का खतरा भी है, जो युवाओं को प्रभावित कर सकता है।

साइबर बुलिंग से बचने को जागरुकता जरूरी

यहां हम कुछ सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं जो युवा लोगों को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों से बचाने में मदद कर सकती हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण उपाय है जागरूकता। युवाओं को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशीलता के साथ इन खतरों को पहचान सकें और उनसे बच सकें। सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल युवाओं को अपनी सोशल जिम्मेदारियों को समय से ख़त्म करने के लिए सिखाता है, बल्कि उन्हें सकारात्मक और उत्तरदायी रूप से सोशल मीडिया पर बर्ताव करने के लिए भी प्रेरित करता है। यदि कोई युवा साइबर बुलिंग का शिकार होता है, तो उसे सहानुभूति और समर्थन की जरूरत होती है। वह खुद को अकेला महसूस नहीं करें और उसे अपनी समस्या को साझा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करने के लिए प्रेरित करें। युवाओं को अपनी गोपनीयता की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने व्यक्तिगत जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले सोचने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। युवाओं को सकारात्मक सोशल मीडिया अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। वे अपने सोशल मीडिया खातों पर सकारात्मक और उत्तेजक सामग्री को साझा करने और देखने के लिए उत्साहित होना चाहिए। इन सलाहों का पालन करते हुए, युवा लोग सोशल मीडिया के खतरों से बच सकते हैं और उसे सकारात्मक और सार्थक रूप से उपयोग कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करने में लोग अक्सर कार्यस्थल में समय की बर्बादी करते हैं। वे काम के समय में अपने सोशल मीडिया खातों को चेक करने में लगे रहते हैं, जिससे कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और काम की प्रगति पर असर पड़ता है। कई बार सोशल मीडिया पर देखी गई जानकारियों और फोटोग्राफों के कारण, कर्मचारियों के बीच अप्रत्याशित व्यवहार हो सकता है। इससे कार्यस्थल में विश्वास की कमी होती है और सामूहिक संबंधों में कटुता आ सकती है। सोशल मीडिया पर नकली जीवन और सफलता की तस्वीरें देखकर, लोग अक्सर अपनी खुद की तुलना अन्य लोगों से करते हैं, जो मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। इससे कार्यस्थल में रिश्तों में टेंशन और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यस्थल में सोशल मीडिया का उपयोग करते समय, कर्मचारियों को गोपनीयता का अनुपालन करना चाहिए। लेकिन अक्सर लोग निजी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, जिससे गोपनीयता की चुनौती पैदा होती है और अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं।

महिलाएं हो रहीं ज्यादा प्रताड़ित

सोशल मीडिया का उपयोग करने से कर्मचारियों के बीच संवाद की कमी हो सकती है। वे अक्सर चैट, इमेल या सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करते हैं, जिससे सामूहिक दृष्टिकोण और टीम काम को प्रभावित किया जा सकता है। सोशल मीडिया का सही उपयोग करते हुए जागरूक रहना चाहिए और कार्यस्थल में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। "सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण का आगमन कार्यस्थलों में अनेक नए संभावनाओं का उत्थान किया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। महिलाएं, खासकर कार्यस्थल में, इस डिजिटल युग में अधिक शिकार बनने के खतरे से जूझ रही हैं। उन्हें अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा ऑनलाइन या ऑफलाइन उत्पीड़न, बुलिंग, या अन्य दुर्व्यवहार का शिकार बनाया जा सकता है। सबसे पहले, महिलाओं को अपने अधिकारों और उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने के लिए जागरूक होना चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि कैसे वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और कैसे वे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल कर सकती हैं। महिलाओं को एक समर्थन सिस्टम की आवश्यकता होती है, जो उन्हें आत्मसमर्थन, सलाह, और समर्थन प्रदान कर सकता है। कार्यस्थल में, इसका मतलब है कि कंपनी को नेतृत्व से लेकर सहकर्मियों तक, सभी को महिलाओं का समर्थन करना चाहिए। कंपनी को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह एक स्पष्ट और सख्त नीति के साथ साइबर बुलिंग और उत्पीड़न के खिलाफ है। यह नीतियाँ और प्रक्रियाएँ महिलाओं को सुरक्षित और समर्थित महसूस करने में मदद कर सकती हैं। कंपनी को एक विशेष जाँच और प्रतिक्रिया प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जिसमें किसी भी उत्पीड़न की शिकायत को गंभीरता से लिया और संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान किया जाता है।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

आयुष्मान कार्ड बनाने में धोखाधड़ी का आरोपी काबू

हांसी। साइबर थाना क्राइम पुलिस ने आयुषमान कार्ड बनाने के नाम पर 69000 रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान सिसाय काली रावण निवासी रामदिया के रुप में हुई है। सिसाय बोलान निवासी राममेहर ने सिसाय काली रावण निवासी सीएचसी सेंटर संचालक रामदिया उर्फ टोनी पर आयुष्मान कार्ड बनाने के बहाने कई बार सेंटर पर बुला कर एक मशीन पर अंगूठा लगवा कर उसके बैंक खाते से 69 हजार रुपये निकालने की शिकायत दी।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में आरक्षण मिले : रजत

हांसी। नेशनल अलायन्स फॉर दलित ह्यूमन राइट्स के राष्ट्रीय संयोजक रजत कल्सन ने सुप्रीम कोर्ट व देश की अलग-अलग हाईकोर्टज में न्यायाधीशों की नियुक्ति में एससी एसटी समुदाय के लिए संवैधानिक आरक्षण की मांग की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भारत की सर्वोच्च न्यायिक संस्था है तथा भारतीय संविधान के अध्याय 4 व 5 के तहत इसे भारत में स्थापित किया गया है।

हांसी रेलवे स्टेशन बना जेबकतरों का गढ़

हांसी। हांसी रेलवे स्टेशन जेबकतरों व झपटमारों का अड्डा बन चुका है। वहीं रेलवे स्टेशन पर तैनात पुलिस वारदातों पर अंकुश लगाने के स्थान पर मामला दर्ज कर अपनी ड्यूटी पूरी कर रही है। पिछले कई दिनों से स्टेशन व ट्रेन में घटित वारदातों को पुलिस अभी तक सुलझाने में न काम रही है वहीं स्टेशन पर ट्रेन से उतरते वक्त महिला के गले से सोने की चेन तोड़ ले जाना जीआरपी की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रही है।

बोलेरो से 480 बोतल अवैध शराब बरामद

हिसार। अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस की नशा निरोधक टीम ने शिव चौक महावीर कॉलोनी से एक बोलेरो गाड़ी में 480 बोतल (40 बॉक्स) अवैध शराब बरामद की है। एएसआई महेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर महावीर कॉलोनी स्थित शिव चौक पहुंची तो डबल फाटक की तरफ से आ रही बोलेरो गाड़ी की जांच के दौरान 40 बॉक्स में रखी 480 बोतल शराब बरामद हुई।

समाज में फैली कुरीतियां खत्म करने पर मंथन

हिसार। ब्रह्म संघ हांसी द्वारा लाल सड़क स्थित श्री वैष्णों देवी मंदिर में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें समाज के अंदर फैली कुरीतियों तथा उन्हें खत्म करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर पंडित देव शर्मा, प्रधान राजीव शर्मा, उपप्रधान महेन्द्र पुष्करणा, सचिव दीपक वशिष्ठ, आदि मौजूद रहे।

कम मतदान वाले क्षेत्र में स्थापित होंगे सेल्फी प्वाइंट

चुनाव कर्मियों को मतदान के लिए बनेगा फैसिलिटेशन सेंटर

सभी मतदान केंद्रों पर पीली पट्टी पर काले रंग से अंकित करवाएं मतदान केंद्र की पूर्ण जानकारी : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। चुनाव कर्मियों की बैठक की अध्यक्षता करते एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा।

एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों तथा सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वह सभी मतदान केंद्रों पर पीली पट्टी पर काले रंग से मतदान केंद्र की पूर्ण जानकारी अंकित करवाना सुनिश्चित करें। महराणा शुक्रवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चुनावी कर्मियों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन परिसरों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं वहां मुख्य द्वार पर बूथ नंबर भी अंकित करवाए। उन्होंने कहा कि चुनावी कर्मियों को मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए फैसिलिटेशन सेंटर भी स्थापित करवाया जाएगा। किसी भी मतदाता को कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए इस केंद्र में पर्याप्त कर्मचारी की ड्यूटी निर्धारित की जाएगी। यही नहीं इस केंद्र पर राजपत्रित अधिकारी भी तैनात किए जाएंगे ताकि मतदान फार्मो को तुरंत सत्यापित करवाया जा सके। केंद्र पर नियुक्त सभी कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की कोई गलती नहीं हो।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर तहसीलदार अनिल कुमार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अशोक कुमार, हांसी प्रथम के खंड शिक्षा अधिकारी सत्यपाल सिंह, हांसी द्वितीय खंड की शिक्षा अधिकारी शर्मिला देवी, निर्वाचन कानूनगो गुरुदेव शर्मा, नगर परिषद के सफाई निरीक्षक संजय सिंह सहित बूथ लेवल अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

मतदान के प्रति जागरूक करने का काम करें

उन्होंने कहा कि हांसी हलके के जिन क्षेत्रों में पिछले लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के दौरान कम मतदान हुआ था उन सभी क्षेत्रों में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित करवाए जाएंगे। एक सेल्फी प्वाइंट स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में भी जल्द स्थापित करवाया जाएगा। इन सेल्फी प्वाइंटों पर कोई भी व्यक्ति सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डाल सकेगा। उन्होंने सुपरवाइजर तथा बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मतदान केंद्र स्तर पर बैठकों का आयोजन करें इन बैठकों में अधिकाधिक लोगों को शामिल कर मतदान के प्रति जागरूक करने का काम किया जाए।

मतदान केंद्रों पर उपलब्ध हो तमाम सुविधाएं

एसडीएम ने सभी सुपरवाइजर तथा बूथ लेवल अधिकारियों को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी मतदान केंद्रों पर तमाम निर्धारित सुविधा हर हाल में उपलब्ध होनी चाहिए। जल्द ही सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण दौरा किया जाएगा। इस दौरान अगर किसी भी मतदान केंद्र पर कोई भी कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। आगामी 5 दिनों के अंदर मतदान केंद्रों पर तमाम निर्धारित सुविधा उपलब्ध करवाते हुए रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें।

बंद आवास से हजारों की नकदी व आभूषण चोरी

हांसी। विकास नगर में चोर एक बंद आवास से हजारों रुपए की नकदी व सोने चांदी के आभूषण चुरा कर ले गए। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवास मालकिन रेखा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। रेखा ने कहा कि वह 24 अप्रैल को दोपहर बाद अपने आवास को बाहर से ताला लगाकर अपने मायके गई थी और 25 अप्रैल को वापस आकर देखा तो उसके मकान का ताला टूटा हुआ था और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अज्ञात चोर रात के समय में घर के बाहर लगाए गए ताले को तोड़ कर घर में रखी 16 हजार रुपये, एक जोड़ी चांदी की पाजेब, चांदी के चार सिक्के, लक्ष्मी गणेश की चांदी की मूर्ति, चांदी का कड़ा सहित अन्य सामान चुरा कर ले गए।

जेईई मेंस में छाए होली चाइल्ड के विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिमांशु

अशोक

जेईई मेंस के परीक्षा परिणाम में होली चाइल्ड के विद्यार्थी हिमांशु ग्रेवाल तथा अशोक ने असाधारण रैंक हासिल कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है। हिमांशु ग्रेवाल ने 99.74 फीसद से देश भर में 4116 रैंक हासिल किया तथा अशोक ने 99.12 फीसद, 14085 रैंक हासिल किया। यह उपलब्धि हिमांशु तथा अशोक की शैक्षिक चमत्कार और मार्गदर्शन के लिए उनके शिक्षकों तथा परिवार द्वारा प्रदान की गई सहायता और मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों ने प्रबंध निदेशक व प्रधानाचार्या का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों को जाता है क्योंकि समय-समय पर बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करना तथा कार्यशालाओं का आयोजन करवाने से बच्चों का उत्साह बना रहता है। दोनों बच्चों ने 12वीं तक की शिक्षा होली चाइल्ड विद्यालय से ही प्राप्त की है।

लोकतंत्र के पर्व में सभी मतदाता ले हिस्सा : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पेटवाड़ में हरनंद शर्मा फाउंडेशन चंडीगढ़ ट्रस्ट के द्वारा छात्र एवं छात्राओं को साइक्लोजिकल काउंसलिंग प्रदान की गई।

फाउंडेशन की अध्यक्ष शीतल शर्मा के द्वारा बच्चों को केरियर के प्रति जागरूक किया गया और आने वाले चुनाव के लिए उनको तैयार किया गया। इस चुनाव में 18 वर्ष से अधिक जिसकी आयु हो गई है वे अपना वोट बनवाकर मतदान आवश्य करें इसके लिए भी उनको जागरूक किया। लोकतंत्र के इस त्योहार को धूमधाम से मनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र छात्राएं और ग्रामीण भी मौजूद रहे। विद्यालय के प्राचार्य सूरज कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाकर अपने लक्ष्य की तरफ ही मेहनत करनी चाहिए। छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण को भी ध्यान में रखना चाहिए।

इस अवसर पर प्रिंसिपल सोमदत्त, राजेश योगी, सुनील, दिनेश शर्मा, बलजीत सिंह, मोनू माजरा, संतोष, सरिता, कृष्णा, सीमा, अंतिम, अंजली, सलोनी, ज्योति इत्यादि विशेष तौर पर मौजूद थे।

आने वाला समय कांग्रेस का : रामनिवास राड़ा

हिसार। हिसार विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ नेता रामनिवास राड़ा ने शुक्रवार को डाबड़ा चौक स्थित कुमारी सैलजा के आवास पर अपने समर्थकों सहित पहुंचकर कुमारी सैलजा को सिरसा लोकसभा से उम्मीदवार बनाए जाने पर फूलों का बुक्का भेंट कर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। राड़ा ने दावा किया कि सिरसा लोकसभा के सभी 9 हलकों में कुमारी सैलजा के नाम की एकतरफा आवाज है। इस चुनाव में वह कम से कम 4 लाख वोटों से विजयी होंगी और भाजपा को पटकनी देंगी। राड़ा ने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है। हरियाणा में लोकसभा की इंडिया गठबंधन की सभी 10 की 10 सीटों पर भारी मतों से जीत होगी।

एनसीसी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए छात्र

- रॉयल स्कूल खारा-खेड़ी में एनसीसी भर्ती प्रक्रिया संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

थर्ड हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार के सीओ कर्नल एसएस गिल के दिशा-निर्देशन में रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा-खेड़ी में नए सत्र के लिए एनसीसी भर्ती की गई। इस भर्ती को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए यूनिट से नायब सूबेदार सिराज, सीएचएम मनोज कुमार और सीएचएम प्रदीप कुमार यादव उपस्थित रहे। एनसीसी कैडेट्स के 28 पद रिक्त थे जिनके लिए विद्यालय के 64 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस भर्ती प्रक्रिया में

हिसार। चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यालय की तरफ से चयन समिति में सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा (रिटायर्ड), स्कूल प्रिंसिपल डॉ. आरए प्रभाकर और स्कूल एएनओ थर्ड ऑफिसर पूनम बिश्नोई ने भाग लिया। भर्ती के लिए सभी छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक परीक्षण से गुजरना पड़ा। सभी का मेडिकल परीक्षण किया गया। मेडिकल परीक्षण में पास होने वाले सभी प्रतिभागियों के मानसिक परीक्षण के लिए 50 अंकों की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया गया।

दीपक होंगे भारतीय पुरुष रग्बी टीम के कप्तान

- श्रीलंका में 30 अप्रैल से 5 मई तक होगी एशिया पुरुष रग्बी चैम्पियनशिप

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा पुरुष रग्बी (7 एस) टीम कप्तान हिसार जिले के कनोह गांव के दीपक कुमार पूनिया एशियाई डिविजन 1 रग्बी (15 एस) चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पूर्व यह सम्मान सोनीपत के विकास खत्री उर्फ छोटू को हासिल हुआ है। हरियाणा राज्य रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र मोर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एशिया पुरुष रग्बी (15 एस) डिविजन 1 चैम्पियनशिप का

हिसार। फेडरेशन अध्यक्ष राहुल बोस, कप्तान दीपक कुमार पूनिया व मुख्य कोच नास बोथे के साथ। फोटो: हरिभूमि

आयोजन श्रीलंका में 30 अप्रैल से 5 मई 2024 तक होगा जिसमें एशिया पुरुष रग्बी (15 एस) डिवीजन 1 की टीमें भाग लेंगी। सचिव नरेंद्र मोर ने बताया कि दीपक कुमार पूनिया भारतीय रग्बी टीम का चमकता हुआ युवा चेहरा है। इससे पूर्व दीपक हरियाणा की पुरुष रग्बी (7 एस) टीम की सफल कप्तानी राष्ट्रीय प्रतियोगिता और राष्ट्रीय खेलों में कर चुके हैं जहां टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किए। लगातार भारतीय रग्बी (7 एस) और रग्बी (15 एस) टीम में बने रहे हैं। दीपक कुमार पूनिया राष्ट्रीय (15 एस) डिविजन 1 में दिल्ली हैरिकेंस क्लब का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर के अनुसार भारतीय टीम 28 अप्रैल को श्रीलंका के लिए रवाना होगी।

ये रहेंगे शामिल

भारतीय पुरुष रग्बी (7 एस) के कप्तान जहां हरियाणा के प्रिंस खत्री हैं वहीं पुरुष रग्बी (15 एस) की कप्तानी हरियाणा के ही दीपक कुमार पूनिया के हाथ होगी। दीपक के अलावा भारतीय टीम में हरियाणा से प्रिंस खत्री, मोहित खत्री, नीरज शामिल किए गए हैं। भारतीय टीम के हैड कोच नास बोथे (साउथ अफ्रीका) फॉरवर्ड कोच किआनो (साउथ अफ्रीका) तथा सहायक कोच टेरेंस (कोलकाता) होंगे।

असामाजिक तत्वों का डटकर सामना करें बेटियां

- बेटियां एक सेकेंड के लिए भी अपने अंदर चल रहे गलत विचार का समर्थन न करें : डॉ. आर्य
- राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा के लिए कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस में मुख्य वक्ता के तौर पर जेल अधीक्षक रमेश कुमार शामिल हुए जबकि कॉलेज प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने अध्यक्षता की।महाविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित इस कार्यशाला के वक्ता वक्ता जेल

हिसार। कार्यक्रम में पहुंचने पर जेल अधीक्षक का स्वागत करते कॉलेज स्टाफ।

अधीक्षक रमेश कुमार ने छात्राओं को समझाया कि जहां कहीं भी गलत गतिविधि की भनक लगे, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ना ही छुपाना चाहिए बल्कि तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। जागरूक रह कर कई अपराध रोके जा सकते हैं।

उन्होंने समझाया कि लड़कियों को अपने आपको कमजोर नहीं समझना चाहिए बल्कि डटकर असामाजिक तत्वों का सामना करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. नीलम दाहिया व राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी शाइना तहरिया मौजूद रहे।

छात्राओं की सुरक्षा गंभीर मुद्दा

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने कहा कि छात्राओं व महिलाओं की सुरक्षा आज के समय में एक गंभीर विषय है। इसके लिए सबसे पहले जरूरी है कि लड़कियां व महिलाएं स्वयं अपनी सुरक्षा करें। लड़कियों को अपने अधिकारों व कानून के बारे में जानकारी होनी चाहिए और साथ ही गलत के खिलाफ लड़ने की हिम्मत व आत्मविश्वास होना चाहिए। बेटियां एक सेकेंड के लिए भी अंदर चल रहे गलत विचार का समर्थन न करें।

धनुष तोड़ने पर धूमधाम से हुआ राम विवाह

- हनुमान मंदिर में नवाह्नपारायण रामायण पाठ का तीसरा दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट के प्रांगण में चल रहे नवाह्नपारायण रामायण पाठ के तीसरे दिन डॉ. बी.के.गुप्ता व उनके परिवार द्वारा हनुमानजी की पूजा के साथ रंग भूमि आए दोउ भाई से आरंभ हुई। कथा में पं. गिरधर गोपाल ओसापा व पं. सुशील ओसापा जोधपुर वालों ने रामजी द्वारा जनकपुरी में गुरु को प्रणाम कर धनुष को बीच से तोड़ना, सीता द्वारा राम को जयमाला पहनाना, भगवान परशुराम का आगमन, लक्ष्मण व परशुराम के बीच संवाद, परशुराम

हिसार। हनुमान मंदिर नागोरी गेट में रामायण पाठ पढ़ते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

द्वारा रामजी का प्रभुत्व जानने के बाद आशीर्वाद देकर वन को जाना, महाराजा जनक द्वारा अवधपुरी में दूत भेजना, महाराज दशरथ द्वारा बारात लेकर गुरु वशिष्ठ के साथ जनकपुरी जाना, मुनि विश्वामित्र व राम-लक्ष्मण से मुलाकात, राम और जानकी का धूमधाम से विवाह, महाराज दशरथ द्वारा ब्राह्मणों को बुलाकर सजी हुई गायों को भेंट करना, बारात का अयोध्या लौटना और खुशियां मनाना आदि प्रसंग मधुर संगीत के साथ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुगध कर दिया।

शिक्षा के साथ खेलों में भी रुचि रखें

- श्रद्धालुओं को सत्संग की महिमा का विस्तार से वर्णन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

बच्चों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के साथ साथ खेलों में भी रुचि रखनी चाहिए। इसके अलावा माता-पिता व गुरुजनों का आदर करना चाहिए। इससे हमारे जीवन मार्ग में कभी भी कोई रूकावट व बाधा नहीं आएगी। इसलिए सदैव गुरुजनों के दिखाए उचित मार्ग पर चलना चाहिए। उक्त उद्गार सोहम् पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानन्द महाराज ने अखिल भारतीय सोहम महामंडल शाखा हिसार के तत्वावधान में प्रारंभ हुए सात दिवसीय संत प्रवचन के दौरान स्थानीय देवी भवन के प्रांगण में स्थित

हिसार। प्रवचन देते सोहम् पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानन्द महाराज। फोटो: हरिभूमि

स्कूल में उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच व्यक्त किए। स्वामी सत्यानन्द महाराज ने कहा कि शिक्षा के साथ हमें संतुलित व पौष्टिक आहार ग्रहण करना चाहिए, जिससे हमारी बुद्धि तीव्र होगी और हम हर परीक्षा में सफल होंगे। इस मौके पर के बीच प्रसाद वितरण किया। आज की कथा में स्वामी सत्यानन्द महाराज ने कई तर्कों से श्रद्धालुओं को सत्संग की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि जीवनोत्कर्ष के लिए सत्संग परमावश्यक है। सत्संग के माध्यम से जीवन जीने का सलीका प्राप्त होता है। अनेक समस्याओं का सामना करने की समझ आती है। सत्संग के माध्यम से ही जीवन का लक्ष्य, मूल्य, उद्देश्य समझ में आता है।

लुवास में मनाया गया विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

बौद्धिक संपदा संरक्षण नवाचार का संरक्षक : वर्मा

- लुवास इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टीज फॉर कमर्शियल डाइजेशन मूविंग फॉरवर्ड पुस्तक का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा ने कहा है कि नवाचार प्रगति की आधारशिला है और बौद्धिक संपदा संरक्षण नवाचार का संरक्षक है। आइए हम रचनात्मकता की संस्कृति को बढ़ावा देने और बौद्धिक श्रम के फल की रक्षा करने के लिए अपनी

हिसार। लुवास इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टीज फॉर कमर्शियल डाइजेशन मूविंग फॉरवर्ड नामक पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा।

प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विश्वविद्यालय में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में व्याख्यान के लिए जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद से चार विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। चार प्रतिष्ठित वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा अधिकार, उद्यमिता, वित्त, विपणन, नवाचार और व्यवसाय विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में लुवास के कुल 107 छात्र और संकाय शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार वर्मा व अन्य सम्मानित अतिथियों द्वारा डॉ. एनके कक्कड़, डॉ. मीनाक्षी विरमानी और डॉ. विशाल शर्मा द्वारा संपादित लुवास इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टीज फॉर कमर्शियल डाइजेशन मूविंग फॉरवर्ड नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

सूचना

मैं, सचिन कुमार पुत्र श्री सुभाष चन्द्र निवासी सिवानी तहसील सिवानी, जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरे ड्राईविंग लाईसैन्स नंबर-एचआर-1720040013497 में मेरा नाम गलती से सचिन बंसल लिखा हुआ है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम सचिन कुमार दर्ज चला आ रहा है। मेरे ड्राईविंग लाईसैन्स में मेरा नाम सचिन बंसल की जगह सचिन कुमार दुरूस्त कर दिया जावे यानि ठीक कर दिया जावे।

खबर संक्षेप

अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार

हिसार। अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने सेक्टर 16—17 साउथ बायपास से एक व्यक्ति को काबू करके एक अवैध पिस्तोल बरामद किया है। एएसआई रविंद्र ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान साउथ बायपास टी प्वाइंट हरिता निवासी सुनील उर्फ कालिया को शक के आधार पर गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उससे 30 बोर का अवैध पिस्तोल बरामद हुआ। अवैध पिस्तोल बारे सुनील उर्फ कालिया से छताछ करने पर उसने बताया कि उसने यह अवैध पिस्तोल बालसमंद गांव निवासी अभिजीत से लिया है।

महिला अपराधों बारे में जागरूक किया

हिसार। सेफ सिटी कैंपेन के तहत पुलिस छात्राओं और महिलाओं को महिला अपराधों के प्रति जागरूक कर रही है। हिसार पुलिस की महिला समर्पित टीम द्वारा छात्राओं और महिलाओं को कानून और पुलिस सहायता के बारे में जानकारी दे रही हैं। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने गवर्मेंट हाई स्कूल मीरकां, आर्यव्रत सीनियर सेकेंडरी स्कूल मीरकां, गवर्मेंट मॉडल संस्कृति स्कूल मीरकां में जाकर छात्राओं को महिलाओं के साथ होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराधों के बारे जागरूक किया। एएसआई सुनीता ने छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराध के दौरान पॉक्सो एक्ट, सहित सभी कानूनी धाराओं के बारे भी समझाया।

बहुतकनीकी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हिसार। गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी में एनआइटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कलस्टर लेवल संस्थान के अलग अलग विभागों से स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजिका गरिमा अहलावत ने बताया कि एनआइटीटीटीआर चंडीगढ़ से आए एक्सपर्ट डॉ. अमित गोयल द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों को भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के बारे में बताया। रेडक्रास की मदद से फस्ट एड देने की तकनीक भी सिखाई गई।

ठगी मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हिसार। हिसार साइबर थाना पुलिस ने टेलीग्राम यूजर से होटल्स रिजर्वेशन कर घर बैठे पैसे कमाने के नाम पर की गई 19 लाख 3 हजार 122 की ठगी मामले में दूसरे आरोपी गुरुग्राम के अशोक विहार निवासी प्रीतम सिंह बग्गा को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई राजाराम ने बताया कि आरोपी प्रीतम सिंह बग्गा ने मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपी लुधियाना के प्रभात नगर निवासी रवि कुमार से उसका बैंक अकाउंट 1 प्रतिशत कमीशन पर किराए पर लेकर आगे अन्य आरोपी को उपलब्ध करवाया था। इस संबंध में पिछले वर्ष 14 दिसंबर को एक टेलीग्राम यूजर युवती से होटल्स रिजर्वेशन कर, घर बैठे पैसे कमाने के नाम पर 19 लाख 3 हजार 122 की ठगी के बारे में शिकायत दी थी। इसमें पहले एक आरोपी प्रभात नगर, लुधियाना निवासी रवि कुमार को गिरफ्तार कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

बौद्धिक संपदा अधिकारों का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण

एचएयू को हस्तशिल्प कुर्सी डिजाइन करने पर मिला पेटेंट

विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस पर हकृवि ने अर्जित की उल्लेखनीय उपलब्धि

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कुर्सी डिजाइन टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा हस्तशिल्प कुर्सी का डिजाइन विकसित करने पर भारतीय पेटेंट कार्यालय ने डिजाइन का पंजीकरण प्रदान किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र मिल गया है, जिसकी डिजाइन संख्या 386667-001 है। कुर्सी का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में दो शोध छात्राओं आयशा और मीनू जाखड़ ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शुक्रवार को बताया कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। शोधार्थियों द्वारा विकसित किए गए डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र मिलने पर उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प डिजाइन विकसित करने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

उल्लेखनीय उपलब्धियां

हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति के लिए भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से अभी तक 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में उल्लेखीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कॉपीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए। विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर कुलपति ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार किसी भी राष्ट्र व संस्थान की शोध गुणवत्ता, शैक्षिक स्तर का स्तंभ है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग तथा शोधार्थियों के रोजगार क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान है।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित रहे।

यह है कुर्सी की खासियत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता एवं शोधार्थियों ने बताया कि इस कुर्सी में दो पैनल बनाए गए हैं, जो बाएं और दाएं दोनों तरफ हैं। दाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग या पेंटिंग करते समय उपकरणों को रखने के लिए किया जा सकता है और बाएं पैनल का उपयोग ड्राइंग शीट को रखने के लिए किया जा सकता है। दोनों पैनल फोल्डेबल हैं जो की स्थान प्रबंधन के सिद्धांत का पालन करते हैं और अतिरिक्त जगह नहीं घेरते हैं। पीठ समर्थन और कुशनिंग सीट व्यक्ति को पीठ दर्द और रीढ़ की हड्डी की चोट से बचाती है। लंबे समय तक बैठने पर आराम में सुधार के लिए एगोनॉमिक फुट रेस्ट प्रदान किया गया है। यह कार्य स्टेशन उपयोगकर्ताओं को अनुचित मुद्रा के कारण होने वाले विभिन्न मस्कुलो स्केलेटल विकारों से बचाता है।

एक बार फिर सुर्खियों में आया हांसी मेम का बाग

- हाईकोर्ट में सरकार का जवाब :- मेम के बाग में हुए सभी निर्माण कार्य अवैध

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी शहर का मेम के बाग मामला एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार नया मामला सामने आया है जिसमें हरियाणा सरकार द्वारा हाईकोर्ट में जवाब देते हुए यह स्वीकार किया है की खसरा 1038 में किया गया निर्माण कार्य पूरी तरह से अवैध है।

डीटीपी हिसार द्वारा पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में केस नंबर सीडब्ल्यूपी 20524 ऑफ 2022 के तहत जवाब देते हुए कहा है कि नगर परिषद् हांसी को किसी भी तरह की एनओसी प्रदान नहीं की गई थी तथा नगर परिषद द्वारा सभी नक्शे गलत तरीके से पास किए गए हैं।

डी.टी.पी द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल किए गए जवाब में साफ तौर पर लिखा गया है की 20 जून 2020 को हांसी शहर थाना प्रभारी को अवैध कॉलोनी काटने के लिए 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज़ करने के लिए कहा गया था लेकिन हांसी पुलिस ने किसी दबाव के चलते मुकदमा दर्ज नहीं किया। यहां देखने वाली बात यह है की इसी खसरे में ही नागरिक अस्पताल के सामने हरियाणा सरकार द्वारा 2 एकड़ में कॉलोनी डेवेलोप करने के लिए सीएलयू प्रदान की गई है जिसके तहत सरकार को अच्छा खासा रेवेन्यू प्राप्त हुआ है और वहीँ दूसरी तरफ इसी खसरे में बजरंग आश्रम रोड पर बिना सीएलयू के नक्शे पास करके नगर परिषद् हांसी ने सभी नियमों की धज्जियां उड़ा दी हैं। यहां ना की सिर्फ सरकार को रेवेन्यू का नुकसान उठाना पड़ा बल्कि अवैध निर्माण के कारण यहां रहने वाले लोग उन मूलभूत जरूरतों से भी वंचित रह जाएंगे जो कि सरकार द्वारा मान्य प्राप्त कॉलोनी में अनिवार्य हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई

यह जानकारी देते हुए हाईकोर्ट के वकील रविश बंसल एवं आईएस कुनर ने बताया की सरकार द्वारा फाइल किए गए इस जवाब से साफ जाहिर है की कुछ लोग मिलकर सरकार को करोड़ों रुपये का चुना लगाने का मंसूबा तैयार कर चुके हैं तथा हांसी पुलिस पिछले चार सालों से कार्रवाई करने की बजाय हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

अफीम सप्लाई करने वाला ईनामी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। अफीम सप्लाई करने वाला ईनामी बदमाश पुलिस गिरफ्त में।

पुलिस के स्पेशल स्टाफ टीम ने 5 हजार रुपये के ईनामी अफीम सप्लायर करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजस्थान के गांव गुराड़िया माना निवासी जितेन्द्र उर्फ कमलेश के रुप मे हुई। स्पेशल स्टाफ हांसी में तैनात सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि आरोपी ने कुछ दिन पहले राजस्थान के गांव गुराड़िया माना निवासी दिनेश तथा राजस्थान के ही भीमनगर निवासी रामफूल को 500 ग्राम अफीम सप्लाई की थी। पुलिस ईनामी आरोपी जितेन्द्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

कंवारी सरपंच हत्याकांड में एक और गिरफ्तार

हांसी। पुलिस की सीआईए स्टाफ टीम ने कंवारी गांव के सरपंच संजय दूहन उर्फ नरसिंह की हत्या करने वाले मुख्य आरोपियों की मदद करने वाले आरोपी को गिरफतार किया गया है। आरोपी की पहचान राजस्थान के गांव किड़वाना निवासी कृष्ण के रुप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी ने 3 मार्च रात को कंवारी गांव के सरपंच संजय उर्फ नरसिंह दूहन की हत्या करने वाले मुख्य आरोपियों को छिपाने के लिए अपनी गाड़ी में बैठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले गया था। आरोपी ने जिस गाड़ी से मुख्य आरोपियों की मदद की थी उस गाड़ी को भी कब्जा पुलिस में लिया गया है। आरोपी कृष्ण को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार बेल पर रिहा किया गया। पुलिस इस मामले में अभी तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

जवानों ने किया फ्लैग मार्च

- डीएसपी गौरव शर्मा, थाना प्रभारी बरवाला प्रदीप कुमार सहित जवान शामिल रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

बरवाला। पुलिस अर्ध सैनिक बल समेत बरवाला शहर में पैदल फ्लैग मार्च करते हुए।

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए पुलिस ने अर्धसैनिक बल सहित थाना बरवाला क्षेत्र में पैदल फ्लैग मार्च किया। इसमे डीएसपी गौरव शर्मा, थाना प्रभारी बरवाला प्रदीप कुमार सहित पुलिस और अर्ध सैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल रहे। पुलिस ने अर्धसैनिक बल के साथ मिलकर बरवाला, खेदड़, पाबड़ा, राजली, पंघाल, बढ़ावड़, सरहेडा, बालक में पैदल मार्च किया। पुलिस उप अधीक्षक ने कहा कि पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान थाना क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिले में फ्लैग मार्च किया गया है। चुनाव के दौरान पुलिस की असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर है। कानून एवं व्यवस्था बिगाड़ने वाले पर पुलिस सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने आमजन से शांति एवं व्यवस्था बनाए रख भय मुक्त मतदान की अपील की।

इच्छुक विद्यार्थियों को एनटीए की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा

- बीएससी-बीएड व बीए-बीएड कोर्सिज में दाखिले के लिए 30 तक कर सकेंगे आवेदन
- गुजवि में इसी वर्ष से आरंभ हो रहे हैं दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से शुरू होने वाले बीएससी-बीएड तथा बीए-बीएड कोर्सिज के दाखिले के आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है। ये दाखिले नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन, नई दिल्ली (एनसीटीई) द्वारा किए जाएंगे। गुजविप्रौवि को एनसीटीई द्वारा इंटेग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के लिए चयनित किया गया है। यह विश्वविद्यालय आईटीईपी को देशभर में संचालित कर रहे 64 शिक्षण संस्थानों में से एक होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने शुक्रवार को बताया कि इन चार वर्षीय इंटेग्रेटिड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्रामों में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को 30 अप्रैल तक राष्ट्रीय शिक्षा एजेंसी (एनटीए) की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। दाखिला प्रक्रिया 13 अप्रैल से जारी है। ये कोर्स रोजगारपरक हैं। भविष्य में शिक्षकों की भर्ती इन कोर्सों की योग्यता के आधार पर होगी। विश्वविद्यालय ने इन कोर्सों के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

चार वर्षीय इंटीग्रेटिड कोर्सों के लिए विवि की पूरी तैयारी : प्रो. बिश्नोई

सीटें निर्धारित

कुलपति ने बताया कि आईटीईपी के तहत बीएससी-बीएड तथा बीए-बीएड कोर्सिज के लिए 50-50 सीटें निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के तहत ये कोर्सिज संचालित किए जाएंगे। शिक्षा मंत्रालय के एक पायलेट प्रोजेक्ट के तहत कौशलयुक्त शिक्षक तैयार करने के लिए ये कोर्स शुरू किए गए हैं। गुजवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शोध व शिक्षण व्यवस्था है। इन्हीं व्यवस्थाओं के चलते इस विश्वविद्यालय को इन कोर्सों के लिए चुना गया है। विश्वविद्यालय भी भविष्य के लिए श्रेष्ठ शिक्षक तैयार कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयार है। गुजवि 21वीं सदी के लिए उपयोगी मानकों और कौशल के निर्धारण में अपनी विशेषज्ञता रखता है। इस विशेषज्ञता का इस विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले भविष्य के शिक्षकों को फायदा होगा।

महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में फेयरवेल पार्टी

- जूनियर छात्राओं ने सीनियर्स को दी यादगार विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करती छात्राएं तथा विजेता को सम्मानित करती महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा व प्राचार्या डॉ. शमीश शर्मा।

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में एमएससी मैथ, बीएससी व बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने फाइनल ईयर की छात्राओं को दी विदाई पार्टी। इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान उपस्थित हुए। पार्टी का शुभारंभ महाविद्यालय परंपरा अनुसार दीप प्रज्वलित करके किया गया। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति के नियम के अनुसार आगे बढ़ना ही जिंदगी है। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा व प्राचार्या डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि अब आपको अपने अनुभव के अनुसार जीवन की कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जीवन में एक बात जरूर याद रखना कि किसी भी चुनौती से घबराना मत। इस मौके पर छात्राओं ने अपने सीनियर्स को टाइटल व गिफ्ट दिए। इस पार्टी में जूनियर व सीनियर विद्यार्थियों ने हरियाणवी, हिन्दी व राजस्थानी गानों पर नृत्य करके जमकर धमाल मचाया। 'माची माची हांडू तनैं पाकै गजबी' 'कोका' और डिस्को दीवाने पर छात्राओं ने मनोहर प्रस्तुति दी। एम एस सी मैथ फाइनल ईयर में अंकिता को मिस एमएलबी, सविना को मिस पर्सनैलिटी व पूनम को मिस ईव चुना गया। बी.एससी. नान मेडिकल में निकिता को मिस एमएलबी, रिक्षिता को मिस पर्सनैलिटी व करीना को मिस ईव के ताज से नवाजा गया। बी कॉम में समेन को मिस एम एल बी, तनु को मिस पर्सनैलिटी व मनिषा को मिस ईव चुना गया।

सांगल अब केंद्र में देंगे सेवाएं

- नई जिम्मेवारियों के लिए डीसी दहिया ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। एसीयूटी अर्पित सांगल को नई जिम्मेवारियों के लिए शुभकामनाएं देते उपायुक्त प्रदीप दहिया। फोटो: हरिभूमि

वर्ष 2022 बैच के आईएएस अधिकारी अर्पित सांगल ने हिसार में एसीयूटी रहते हुए सफलता पूर्वक अपनी प्रशिक्षण अवधि पूर्ण कर ली है। अब उन्हें भारत सरकार में सहायक सचिव के पद की जिम्मेवारी दी गई है। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्पित सांगल ने पूरी गंभीरता से अपनी जिम्मेवारियों को निभाया। उत्तर प्रदेश के शामली क्षेत्र से संबंध रखने वाले आईएएस अधिकारी अर्पित सांगल ने जुलाई 2023 में हिसार में अपना कार्यभार संभाला था। प्रशिक्षण अवधि के दौरान आईएएस अर्पित सांगल ने केंद्र व राज्य सरकार की अहम योजनाओं तथा कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए सक्रिय रूप से अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किया। उनके स्थान पर वर्ष 2023 बैच की आईएएस अधिकारी कनिका गोयल ने बतौर एसीयूटी ज्वाइन किया है। वे हरियाणा कैडर की आईएएस अधिकारी हैं।

नशा तस्करों को 15-15 साल कैद व जुर्माना

हिसार। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत की अदालत ने नशा तस्करी के दो दोषियों को 15-15 साल कैद की सजा सुनाई है। दोनों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इनको तीन दिन पहले दोषी करार दिया था। अदालत में चले मामले के अनुसार नारनौद थाना पुलिस ने 24 दिसंबर 2021 को दोनों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। मामले के अनुसार हांसी सीआईए के एएसआई जुबेर सिंह ने बताया था कि वह सिपाही संदीप, ईएचसी मुकेश और एसपीओ संदीप के साथ गश्त पर था। इसी दौरान सूचना मिली की नारनौद से हांसी रोड पर पेट्रोल पंप के नजदीक दो युवक नशा बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर टीम के साथ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दो युवकों की शक के आधार पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान रामनिवास के पास से एक किलो 466 ग्राम सुल्फा और राम के पास से एक किलो 8 ग्राम सुल्फा बरामद हुआ था। इस पर नारनौद थाना पुलिस ने इन पर केस दर्ज किया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 9315429403, 9253681005

धाम के महंत पवन भाई जी पीठाधीश्वर की उपाधि से सम्मानित

श्रद्धालुओं ने किए श्री पंचमुखी बाला जी के दर्शन

- श्री पंचमुखी बालाजी धाम चौधरीवास में 17 दिवसीय रजत जयंती समारोह का पूर्णाहुति से संपन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। रजत जयंती समारोह में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

श्री पंचमुखी बालाजी धाम चौधरीवास में 17 दिवसीय रजत जयंती समारोह का पूर्णाहुति से संपन्न हुआ। इस दौरान बाबा की अनुकंपा सभी भक्तों पर बरसी। समारोह के तहत अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए गए जिसमें सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ, नव चंडी महायज्ञ अनुष्ठान, मारुति महायज्ञ तथा राम हनुमान गौरव गाथा का वर्णन सभी संत महात्माओं की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान नगर में निमंत्रण, ध्वज यात्रा निकाली गई। धाम में दिव्य और भव्य विशाल जागरण हुआ। इसके अतिरिक्त बनारस के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा महाआरती का आयोजन किया गया। इसी पावन अवसर पर धाम के गुरुवर पवन कुमार जोशी भाई जी का पट्टाभिषेक किया गया जो आध्योध्या से आए परम पूज्य जगत गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विद्या भास्कर महाराज एवं हनुमान गढ़ी के महाराज स्वामी धर्मदास महाराज के सानिध्य में हुआ।

हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर पुलिस ने जानलेवा हमला कर चोटें मारने में मामले में गंगवा निवासी विजय और सचिन उर्फ सैंडी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एएसआई मनमोहन ने बताया कि इस संबंध में आजाद नगर थाना में सिविल अस्पताल से रुका प्राप्त हुआ कि अमित और रोहित लड़ाई झगड़े में लगी चोट के कारण अस्पताल में दाखिल है। सूचना पर सिविल अस्पताल पहुंची पुलिस टीम को भैंसों की डेयरी संचालक डिफेंस कॉलोनी निवासी रोहित ने उस पर कृष्ण कुमार और 8-9 अन्य व्यक्तियों द्वारा जानलेवा हमला कर चोटें मारने के बारे में शिकायत दी थी।